साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R.No.: **MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 3 । अंक : 43 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 1 जून से 7 जून 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

9 वर्ष के कार्यकाल में केंद्र की मोदी सरकार ने बनाया एक नया भारत- सांसद सुनील मेंढे

बुलंद गोंदिया। केंद्र में मोदी सरकार के आज 9 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सांसद सुनील मेंढे द्वारा आयोजित पत्र परिषद में मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों वह विकासात्मक कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि 9 वर्षों के कार्यकाल में मोदी सरकार द्वारा देश के सभी क्षेत्रों में एक बड़ी छलांग लगाई है। वह देश के नागरिकों के कल्याण से लेकर विश्व स्तर तक भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने का कार्य किया है।

आगे उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पहले 5 साल के सफल कार्य के पश्चात मोदी के नेतृत्व पर जनता द्वारा विश्वास व्यक्त करते हुए दूसरा अवसर दिया जिसे आज देश की सर्व सामान्य जनता के जीवन में भारी परिवर्तन आया है। गत 9 वर्षों के दौरान भंडारा- गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के विकास के साथ-साथ मोदी सरकार द्वारा सकारात्मक परिवर्तन कर एक नए भारत का निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 30 मई से 30 जून तक महाजनसंपर्क अभियान शुरू किया गया है। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व किए गए कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाई जाएंगी। आगे उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से आज तक अनेकों जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सामान्य जनता के जीवन में भी भारी बदलाव आया है जिसमें जनधन योजना, उज्जवला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्टार्ट ऑफ इंडिया, जन औषधि केंद्र, हर घर जल योजना, डीबीटी योजना, एक देश एक सीधापत्रिका, फसल बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना ऐसी विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। साथ ही लाखों किलोमीटर के महामार्ग व उड़ान पुल का निर्माण, मेट्रो रेलवे स्टेशन का जाल ,वंदे भारत एक्सप्रेस ,गति शक्ति योजना ,डिजिटल क्रांति आदि के माध्यम से देश का विकास हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है भारत सबसे युवा देश के रूप में सबका साथ सबका विकास के जुनून के साथ एक विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। कोविड काल के दौरान मोदी द्वारा किए गए कार्यों को कोई भुला नहीं पाएंगा मास्क हो या वैक्सीनेशन प्रोडक्शन व कोविड-19 फ्री वैक्सीनेशन ,फ्री राशन 80 करोड़ लोगों को इस संकट से बाहर निकालने साथ ही लोकसभा सदस्य होने के नाते इन सभी योजनाओं मैं मेरा सहयोग होना यह सौभाग्य की बात है। साथ ही भंडारा गोंदिया लोकसभा क्षेत्र इन दोनों जिलों में शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय, बिल्सी विमानतल से यात्री यातायात की सुविधा, 25 करोड़ की लागत से गोंदिया तुमसर और भंडारा रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण कार्य, 400 करोड़ के निवेश से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पोर्ट का निर्माण तथा इसके लिए लगने वाली 100 एकड़ से अधिक भूमि का चयन किया जा रहा है। साथ ही 1646 करोड़ रुपए के 288 किलोमीटर राष्ट्रीय महामार्ग का कार्य पूर्ण हो चुका है साथ ही उड़ान पुल व अन्य मार्गों का भी कार्य शुरू है। आज जी-20 की अध्यक्षता भारत के पास है यह हमारे लिए एक गर्व की बात है। हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं तथा 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है, साथ ही राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 को हटाना और नए संसद भवन का निर्माण ऐतिहासिक शान है भारत को सर्वोच्च गौरव की ओर ले जाने के लिए केंद्र सरकार तैयार है। आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर पूर्व विधायक रमेश कुथे, भाजपा शहर अध्यक्ष सुनील केलंका, जिला महामंत्री संजय कुलकर्णी पूर्व नगराध्यक्ष अशोक इंगले आदि उपस्थित थे।

सर्व शिक्षा अभियान में कार्यरत कर्मचारियों के मानधन में 50% वृध्दि करें

विधायक विनोद अग्रवाल ने की शिक्षामंत्री से भेंट

बुलंद गोंदिया। राज्य में समग्र शिक्षा अंतर्गत 6080 कर्मचारी 15 से 20 साल से कंत्राटी पद्धती से कार्य कर रहे है। जिनके मानधन में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि होना अपेक्षित है। लेकिन पिछले 5 वर्ष से किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी समग्र शिक्षा अंतर्गत कार्य कर रहे कंत्राटी कर्मचारियों के लिए नही की गई। मानधन बढ़ाने का संपूर्ण अधिकार प्रधान सचिव शालेय शिक्षण इनके पास रह भी मानधन में बढ़ोतरी की प्रतीक्षा खतम होने का नाम नही ले रही. इसका संज्ञान लेते हुए गोंदिया विधानसभा के विधायक विनोद अग्रवाल ने मंत्रालय मुंबई में राज्य के शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर से भेट कर समग्र शिक्षा अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के मानधन में 50 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग की है। इस दौरान सभा में राज्य के शिक्षा सचिव व प्रकल्प संचालक उपस्थित थे। मानधन वृद्धि से राज्य शासन पर अतिरिक्त भार नही आएगा - विधायक विनोद अग्रवाल

भारत सरकार द्वारा पीएबी नुसार 8403 .33 लाख रुपयों का प्रावधान किया गया है. वर्तमान में राज्य व जिल्हा स्तर पर व्यवस्थापन अंतर्गत कार्यरत 706 कर्मचारियो को मानधन के लिए अंदाजन 3681 .43 लाख रुपये खर्च होते है। कर्मचारियों के 50 प्रतिशत मानधन वृद्धि से अंदाजन 5193 .47 लाख रुपये खर्च होंगे इसलिए खर्च मंजूर प्रावधान से करने पर राज्य शासन पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त बोझ नही आएगा ऐसा विधायक विनोद अग्रवाल ने शासन को अवगत कराया है।

गुमाधावडा में अवैद्य शराब विक्रेताओं पर कार्यवाही करें

» महिलाओं ने थानेदार को सौंपा ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता तिरोड़ा)- तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गुमाधावड़ा में गत 2 वर्षों से अवैध शराब का व्यवसाय बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिस पर कार्रवाई करने की मांग का ज्ञापन गुमाधावड़ा के महिला मंडल द्वारा तिरोड़ा के पुलिस निरीक्षक को देखकर की है। निवेदन में मांग की गई कि गुमाधावड़ा में गत 2 वर्षों पूर्व ग्राम संपूर्ण शराबबंदी के रूप में जाना जाता था जिसके चलते ग्राम में शराब पीने वाले व्यक्तियों की संख्या में काफी कमी आ गई थी, किंतु गन 2 वर्ष पूर्व ग्राम की 2 महिला व पुरुषों द्वारा अवैध रूप से शराब भट्टी का निर्माण कर शराब की बिक्री की जा रही है। जिससे शराब पीने वालों की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ ही युवा पीढ़ी भी इस व्यसन की चपेट में आ रही है। जिससे ग्राम की शांतता भंग हो रही है साथ ही घर के पुरुषों द्वारा शराब का सेवन किए जाने से घर की आर्थिक स्थिति व महिलाओं को मानसिक त्रास का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते आए दिन विवाद होने के साथ मारपीट की घटना भी घटित होती है इन सब पर लगाम लगाने व ग्राम में अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। साथ ही उपरोक्त कार्रवाई में ग्राम पंचायत समिति द्वारा भी पूर्ण रूप से सहयोग करने को तैयार है। उपरोक्त निवेदन देने वालों में पदमा रंगारी, प्रतिमा कोकड़े, वीणा वरखड़े, मंदा सुकलाल, अनिल भगत, बबीता मेश्राम, हीरावंती राहंगडाले, सीमा कोकुड़े, ताराबाई बढ़गे ,बबीता मेश्राम, कल्पना पूराम, वैशाली पूराम, पूनम कोकुड़े, आशा टेकाम, पुस्तककला मौजे, अनीता इनवाते, निर्मला ऊके, प्रमिला वाघाडे, कलावंती ऊईके, पल्लवी वालदे, रेखा टेकाम, सविता डोंगरे, पंचकूला कोकुड़े, सहित बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाएं उपस्थित थी।

जल संकट कार्यक्रम के तहत 310 मरम्मत कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी - जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

गोरेगांव व सालेकसा तहसील का समावेश 40 लाख का बजट स्वीकृत

बुलंद गोंदिया। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने जल संकट कार्यक्रम चरण दो के तहत सार्वजनिक कुओं की गाद निकालने, सार्वजनिक कुओं का गहरीकरण, इनवैल बोर, नल योजना विशेष मरम्मत के 310 कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है. उक्त कार्यों पर 40 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

पंचायत समिति गोरेगांव में 116 उपचारात्मक योजनाओं का कार्य बजट और पंचायत समिति सलेक्सा में 194 उपचारात्मक योजनाओं का कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण जल आपूर्ति, जिला परिषद, गोंदिया जल अभाव कार्यक्रम 2022-23 चरण-2 सार्वजनिक कुओं से गाद निकालना, सार्वजनिक कुओं का गहरा करना इनवेल पंचायत समिति गोरेगांव में बोर, नल योजना, 116 उपचारात्मक योजनाओं व 194 उपचारात्मक योजनाओं की विशेष मरम्मत के लिए पंचायत समिति सालेकसा ने जिलाधिकारी को 310 कार्यों का बजट सौंपा था।

कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण जल आपूर्ति, जिला परिषद, गोंदिया ने प्रस्तुत जल संकट योजनान्तर्गत स्वीकृत योजनान्तर्गत पंचायत समिति गोरेगांव में 116 उपचारात्मक योजनाओं एवं पंचायत समिति सालेकसा में 194 उपचारात्मक योजनाओं के कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया. तदनुसार, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने लिखित रूप से सूचित किया है कि 26 मई 2023 को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

गोरेगाव पंचायत समिति के अंतर्गत हीरापुर, हिरडामाली, पिंडकेपार, सिलेगाँव, पालखेड़ा, सटवा, गोंदेखारी, सोनेगांव, मेंगाटोला, हौसीटोला, वाघोली, बोरगांव, तेलनखेड़ी, बबई, घुमार्रा, हीराटोला, कमरगांव, दवडीपार, मोहाड़ी, गंनखैरा, खाडिपार, चिल्हाटी, मुंडीपार, यह बम्हनी, बोटे , मोहगांव (बी), दावा, टिमझरी, कटंगी (बी), शहरवानी, मोहगांव (टी), मालपुरी, टेढ़ा, तुमसर, म्हसगाव, आसलपाणी, निंबा व पिपरटोला (तानु) की 38 ग्राम पंचायतों में है।

सालेकसा पंचायत समिति भजेपार, बाम्हणी, बिजेपार, बिंझली, बोदलबोडी, दरबडा, दरेकसा, धानोली, गांधीटोला, गिरोला, गोर्रे, जमाकुडो, कडोतीटोला, कावराबांध, कोसमतर्रा, कोटजांभोरा, कोटरा, कुलरभट्टी, खेडेपार, खोलगड, लटोरी, लोहारा, मक्काटोला, मानागड, मुंडीपार, नान्हवा, नवेगाव, निंबा, पांढरवाणी, पाऊलदौणा, पाथरी, पिपरिया, पोवारीटोला, रोंढा, सातगाव, सोनपुरी, तिरखेडी, टोयागोंदी व झालिया 41 ग्राम पंचायतों में ये मरम्मत कार्य प्रस्तावित हैं।

आदेश में कहा गया है कि उपायों को लागू करते समय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली सभी शर्तों, मानदंडों और आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए. भूजल सर्वेक्षण एवं विकास प्राधिकरण, गोंदिया से जल उपलब्धता का प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। यदि उक्त कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति मिल भी गई हो तो भी यदि आवश्यक हो तो उक्त कार्यों को हाथ में लिया जाए। स्वीकृत योजना को शीघ्र पूरा कर क्रियान्वित किया जाय तथा प्रारम्भ होते ही प्रतिवेदन भिजवाया जाय तथा साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन भिजवाया जाय।

उपविभागीय अधिकारी, कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, जिला परिषद, गोंदिया एवं तहसीलदार इस कार्य का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण करें. आदेश में यह भी कहा गया है कि ऊपर दी गई उपचारात्मक योजनाओं से संबंधित सभी सूचनाओं के साथ-साथ सरकार द्वारा मांगी गई सूचनाओं को तुरंत उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग, जिला परिषद, गोंदिया की है।

सीता नवमी पर आयोजित महाआरती में शामिल हुए हजारों श्रध्दालु

बुलंद गोंदिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी गोंदिया नगर उत्तराखंड द्वारा सीता माता नवमी के पावन दिवस के अवसर पर साईं बाबा मंदिर रिंग रोड गोंदिया में गुरुवार 25 मई को शाम 6:00 बजे महा आरती का आयोजन किया गया था। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर महाआरती की महाआरती में सर्वप्रथम साईं बाबा मंदिर में आरती होने के पश्चात भगवान भोलेनाथ नंदी की आकर्षक झांकी महा आरती का प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही महाआरती के पश्चात उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

रेत के टिप्पर के नीचे आने से शिक्षिका की मृत्यु

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता तिरोड़ा) तिरोड़ा के शहीद मिश्रा स्कूल के समीप शुक्रवार 26 मई की सुबह 11:00 बजे के दौरान रेत से भरे टिप्पर की चपेट में आने से एक महिला शिक्षिका की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक शिक्षिका अपनी दुपहिया वाहन प्लेजर एम एच 35 आर 6118 से जा रही थी। इसी दौरान महिला का संतुलन बिगड़ जाने से वह रेत से भरे टिप्पर क्रमांक एम एच 35 ए जे 1033 के पिछले पहिए के नीचे आ गई। इस दुर्घटना में ग्राम सरांडी में शिक्षिका के पद पर कार्यरत योगिनी प्रभूराज कुंभलकर उम्र 52 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी प्राप्त होती तिरोड़ा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक महिला के शव को शासकीय उप जिला चिकित्सालय तिरोरा में पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की।

संपादकिय...

लोकतंत्र का नया प्रतीक क्यों है नए संसद भवन का उद्घाटन

पीएम मोदी ने रविवार को देश की नई संसद की ईमारत का उद्घाटन किया। अब देश को उसकी नई संसद मिल गई है। यह नया संसद भवन लोकतंत्र का नया प्रतीक है। यह देश के लोकतंत्र के इतिहास में महत्वपूर्ण पल है।

देश को नया संसद भवन मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुष्ठानपूर्वक इसका उद्घाटन किया। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक इतिहास का यह एक महत्वपूर्ण पल है। हालांकि पुराने संसद भवन की भी अपनी अहमियत है और रहेगी। वह देश की लोकतांत्रिक यात्रा के संघर्षपूर्ण और चुनौतीपूर्ण ही नहीं, गौरवपूर्ण पलों का भी साक्षी रहा है। आजादी के बाद देश की पहली सरकार के गठन और उसके कामकाज की बात हो या आपातकाल के रूप में लोकतंत्र पर पहले बड़े आघात की या फिर उस हमले को नाकाम करते जनादेश की- हम हर चुनौती से और मजबूत होकर निकलते रहे और हमारा वह संसद भवन हमारी लोकतांत्रिक आभा से चमकता रहा। लेकिन कोई भी समाज और राष्ट्र नए और पुराने के अनवरत मेल से ही आगे बढ़ता है। लगभग एक सदी तक मरम्मत और विस्तार से काम चल गया, लेकिन धीरे-धीरे यह भी स्पष्ट हो गया कि अब सर्वथा नई इमारत की जरूरत है। उस लिहाज से कोविड जैसी प्रतिकूलताओं के बीच जितनी कम अवधि में यह पूरी इमारत तैयार कर ली गई, वह निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। हालांकि यह सच है कि इसके निर्माण के समय और तरीके को लेकर शुरू से ही असहमतियां भी रहीं, लेकिन एक जीवित लोकतंत्र में यह कोई अनोखी बात नहीं है। उद्घाटन समारोह से जुड़े कई पहलुओं पर भी हमें अलग-अलग तरह की राय और टिप्पणियां सुनने को मिल रही हैं जो आगे भी चलती रहेंगी। यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है और इसे उसी रूप में लेने की जरूरत है। हां, एक बात जरूर खटकने वाली रही कि ऐसे महत्वपूर्ण मौके पर विपक्ष की मौजूदगी नाम मात्र की ही रही। लगभग समूचे विपक्ष ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। इस बहिष्कार के कारणों से सहमति-असहमति हो सकती है, लेकिन बड़ी बात यह है कि वे कारण समय रहते दूर नहीं किए जा सके, बल्कि उन्हें दूर करने की कोई गंभीर पहल भी दोनों में से किसी पक्ष की ओर से नहीं दिखी। भारतीय लोकतंत्र की यह खूबी रही है कि तमाम मतभेदों और असहमतियों के होते हुए भी हमारा राजनीतिक नेतृत्व जरूरत पड़ने पर उनसे ऊपर उठने की क्षमता रखता है। ऐसे हर मौके पर उसने यह बात साबित भी की है। यह संभवत: पहला ऐसा बड़ा मौका है जिसमें दुनिया के सामने हमारे लोकतंत्र का विपक्षहीन चेहरा दिखा। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि जो तस्वीर दुनिया के सामने गई वह हकीकत नहीं है। उद्घाटन समारोह में भले ही विपक्ष न दिखा हो, मगर देश में उसकी मजबूत उपस्थिति बनी हुई है। और देखा जाए तो उद्घाटन समारोह से उसकी अनुपस्थिति भी उसके विरोध को और प्रकारांतर से हमारे लोकतंत्र की जिजीविषा को ही रेखांकित कर रही थी।

तंबाकू के जहर में दर्दनाक घातक बीमारियों से धुंआ होती जिंदगियां

हमारे समाज और देश में तंबाकू का जहर पीढ़ी दर पीढ़ी को लगातार तबाह कर दर्दनाक मौत के कगार पर खड़ा कर रहा है। विडंबना देखिये कि तंबाकू जैसा नशीला घातक जहर हमारे आसपास बड़ी ही आसानी से उपलब्ध होता है। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग, महिला और बुजुर्ग तक तंबाकू की लत के आदी बन चुके है। घर-परिवार, चौराहा, बाजार, दफ्तर, संस्थान या कोई भी क्षेत्र हो, तंबाकू मुँह में दबाये या सिगरेट फूंकते अनेक लोग नजर आते है। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषेध होने के बावजूद भी लोग नियम तोड़ते है। आजकल तो शहरों में ई-सिगरेट का ट्रेंड खूब चल पड़ा है, जो नई पीढ़ी को आकर्षित कर रहा है। तंबाकू का सेवन बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, सिगार, चुट्टा, धुमती, चिलम, चेरूट, गुटखा, खैनी, जर्दा, तंबाकू पान मसाला, तंबाकू पान सुपारी, मावा, स्नस (चूसने वाला रूप), मिश्री, गुल, गुधाकू, सुंघनी या नसवार आदि के रूप में किया जाता है। तंबाकू जलाने पर उस धुएँ से निकलने वाले कई जहरीले रसायन और यौगिक मानव शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। तंबाकू से निकलनेवाला निकोटिन भी हेरोइन, कोकीन और अल्कोहल के समान ही नशे की लत है, यह निकोटिन सेकंड के भीतर मस्तिष्क तक पहुंच जाता है। धूम्रपान फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, मांसपेशियों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कम कर सहनशक्ति को भी कम करता है, निकोटिन के अलावा तंबाकू में अमोनिया, आर्सेनिक, कार्बन मोनोऑक्साइड, टार, नेफ़थलीन, रेडियोधर्मी यौगिक, हाइड्रोजन साइनाइड, सीसा, चूना, कैडमियम, मेन्थॉल जैसे जहरीले तत्व होते है। तंबाकू मानवीय शरीर को घातक बीमारियों की ओर धकेलता है।

तंबाकू पीड़ादायक जानलेवा बीमारियों का निर्माणकर्ता

धूम्रपान करने वाले अन्यों के मुकाबले 13-14 साल पहले मर जाते है। हर साल, एचआईवी/एड्स, अवैध दवाओं, आत्महत्याओं, हत्याओं, सड़क दुर्घटनाओं और आग से संयुक्त रूप से जितने लोगों की मृत्यु होती है, उससे अधिक लोगों की मृत्यु तंबाकू से होती है। हर दिन 2800 और हर साल 10 लाख भारतीय तंबाकू संबंधित रोगों के कारण असमय जान गवाते है। 35-69 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए भारत में वर्ष 2011 में तंबाकू के उपयोग के कारण सभी बीमारियों से कुल आर्थिक लागत 1,04,500 करोड़ रुपये थी। धूम्रपान करने वालों को फेफड़ों के कैंसर होने की संभावना 20-25 गुना अधिक होती है, दिल का दौरा पड़ने की गुंजाईश 2-3 गुना ज्यादा, अचानक मौत का 3 गुना ज्यादा खतरा, स्ट्रोक का 2 गुना अधिक जोखिम, सांस की तकलीफ से पीड़ित होने की संभावना 3 गुना अधिक होती है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से फेफड़े, मुंह, होंठ, जीभ, भोजन नली, गले और मूत्राशय का कैंसर हो सकता है।

तंबाकू का धुआँ 70 कैंसर पैदा करने वाले तत्वों सहित 7,000 से अधिक रसायनों का एक जटिल मिश्रण है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 600,000 मौतें सेकंड हैंड स्मोक के कारण होती हैं। सेकंड हैंड धूम्रपान अर्थात हम धूम्रपान न करते हुए लेकिन धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आने से घातक बीमारियों का शिकार होते है। दुनिया के लगभग आधे बच्चे तंबाकू के धुएं से प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार मुख्य तथ्य

तंबाकू इसके आधे उपयोगकर्ताओं को मारता है। प्रत्येक सिगरेट जीवन को लगभग 8 से 11 मिनट तक कम कर देती है। तंबाकू हर साल 80 लाख से अधिक लोगों की जान लेता है। उन मौतों में से 70 लाख से अधिक सीधे तंबाकू के उपयोग का परिणाम हैं जबकि लगभग 12 लाख गैर-धूम्रपान करने वालों के दूसरे हाथ के धुएं के संपर्क में आने का परिणाम हैं। दुनिया के 130 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से 80त्न से अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। 2020 में, वैश्विक आबादी का 22.3त्न, सभी पुरुषों का 36.7त्न और दुनिया की 7.8त्न महिलाओं ने तंबाकू का इस्तेमाल किया। भारत में हर साल लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु का कारण तंबाकू है, यानी एक दिन में औसतन 3,699 मौतें, 154 हर घंटे। प्रत्येक 5 में से 1 पुरुष की मृत्यु तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के कारण होती है।

देश में तंबाकू से बर्बादी की स्थिति

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा जारी नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम रिपोर्ट 2020, अनुसार देश में कैंसर के सभी मामलों में से 27त्न के लिए तंबाकू जिम्मेदार है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया 2016-17 के अनुसार, भारत में लगभग 26.7 करोड़ वयस्क तंबाकू के उपयोगकर्ता हैं। वर्ष 2017-18 में भारत में 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए तंबाकू के उपयोग से होने वाली सभी बीमारियों के कारण होने वाली कुल आर्थिक लागत 177341 करोड़ रुपये थी। देश के केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के नेशनल फैक्ट शीट ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (जीवाईटीएस-4), 2019 अनुसार, 13-15 आयु वर्ग के छात्रों में से लगभग पांचवां हिस्सा अपने जीवन में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का उपयोग करता है। लड़कों में तंबाकू सेवन की व्यापकता 9.6त्न और लड़कियों में 7.4त्न है। तंबाकू धूम्रपान का प्रचलन 7.3त्न है। धूम्ररहित तंबाकू उत्पाद के मामले में प्रसार 4.1त्न है। छात्रों के बीच ई-सिगरेट का उपयोग 2.8त्न है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में छात्रों के बीच तंबाकू का वर्तमान उपयोग अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम (प्रत्येक में 58त्न) से लेकर हिमाचल प्रदेश (1.1त्न) और कर्नाटक (1.2त्न) में सबसे कम है। तंबाकू की कुल लागत भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 1.04त्न के बराबर है, और डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रकाशित एक शोध के अनुसार, तंबाकू से संबंधित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष स्वास्थ्य व्यय भारत में कुल वार्षिक निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय का 5.3त्न है।

जागरूकता और समझदारी बचाएगी अनमोल जिंदगी

नशा सिर्फ नाश करता है, चाहे वह किसी भी चीज का हो। धूम्रपान करनेवाला व्यक्ति तो गंभीर बीमारियों का शिकार होकर जान गवांता ही है, लेकिन उस धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आनेवाले परिजन या वहां सांस लेने वाले अन्य लोग भी घातक बीमारियों के चपेट में आ जाते है जिसे सेकंड हैंड स्मोक करना कहते है। तंबाकू मनुष्य के शरीर को अंदर से पूरी तरह खोखला कर कमजोर बना देता है, शरीर खराब करके पीड़ादायक जानलेवा बीमारियां द्वारा असमय दर्दनाक मौत के मुँह में डाल देता है। ये अधिकतर बीमारियां भी बहुत खर्चीली होती है। इलाज के लिए जमा पूंजी खर्च करके, कर्ज के बोझ तले दबकर भी अनेक बार इन बीमारियों से छुटकारा नहीं मिलता है। हम अपनी अनमोल जिंदगियों को खुद ही घुट-घुट कर खत्म कर रहे है। तंबाकू की लत छुड़ाने के लिए सबसे आवश्यक जागरूकता, इच्छाशक्ति और समझदारी है। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जाता है। तंबाकू छोड़ने के लिए नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विसेज के टोल फ्री क्रमांक 1800 112 356 पर कॉल करें या इस नंबर 011-22901701 पर मिस्ड कॉल देकर तुरंत मदद पा सकते है।

देश के उज्जवल भविष्य को संवारने वाली पीढ़ी को हमें आज नशे के जहर से बचाना होगा। बच्चों को नशे से दूर रखने में पालक और शिक्षक की भूमिका बहुत अनमोल है। नशा न करें और दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करें। अपनी और अपनों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए नशा मुक्त जीवन का संकल्प करें।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

तंबाकू की लत को काउंसलिंग और इलाज से किया जा सकता है ठीक

तंबाकू की लत सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट है। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि गुटखा और तंबाकू खाने से मुंह का कैंसर होता है। गांव, शहर, राज्य, देश और दुनिया भर में जागरूकता पैदा की जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने सिगरेट के पैकेट पर कैंसर की भयावहता को दर्शाने वाली तस्वीरें प्रकाशित करना भी अनिवार्य कर दिया है और इसका सख्ती से पालन भी किया जा रहा है. हालांकि, तंबाकू का सेवन करने वालों और सिगरेट पीने वालों की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। इस लत के कारण नागरिक खुद ही कैंसर जैसी बीमारी को न्यौता देते नजर आ रहे हैं. क्षणिक नशा और गुज़ारा करने के लिए जो लोग तम्बाकू और सिगरेट का सहारा लेते हैं, वे परिवार को कितना नुकसान पहुँचाते हैं, यह समझ से परे है।

तंबाकू के सेवन से दुनिया भर में हर साल करीब 63 लाख लोगों की मौत होती है। भारत में प्रतिदिन 2 हजार 500 लोग तंबाकू के कारण मरते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2030 तक तंबाकू के सेवन से 80 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाएगी। एक बीड़ी या सिगरेट पीने से इंसान की उम्र साढ़े पांच मिनट कम हो जाती है। मेडिकल एक्सपर्ट्स ने सर्वे से इसे लेकर चिंता जताई है। इसके समाधान के रूप में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया गया है और 31 मई को पूरे विश्व में तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत में तंबाकू के सेवन से हर साल दस लाख लोगों को मुंह का कैंसर होता है। इनमें से एक तिहाई लोगों को मौत का सामना करना पड़ता है। इस साल तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने %हमें भोजन चाहिए, तंबाकू नहीं% की अवधारणा को लागू करने की घोषणा की है।

तम्बाकू सेवन के शारीरिक प्रभाव

तम्बाकू सेवन से मुँह और बालों में दुर्गंध आती है। धूम्रपान से दांत खराब हो जाते हैं। मसूड़े खराब हो जाते हैं और दांत खराब हो जाते हैं और अपनी ताकत खो देते हैं। दांतों पर चॉकलेट-पीले दाग। सूंघने की क्षमता कम होना। चेहरे पर झुर्रियां आ जाती हैं। शरीर में कमजोरी आ जाती है। हड्डियां भंगुर हो जाती हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है। आँखों में जलन। तंबाकू से मुंह, स्वरयंत्र, फेफड़े, गले, अन्नप्रणाली, मूत्राशय, गुर्दे, नाक, पेट, गर्भाशय और मुंह का कैंसर होता है। पुरुष का स्पर्म काउंट कम हो जाता है। जो महिलाएं तंबाकू उत्पादों का सेवन करती हैं उनमें प्रजनन क्षमता और महिलाओं में बांझपन कम होता है।

तम्बाकू सेवन बंद करने के लाभ

स्वस्थ जीवन, शारीरिक क्षमता में वृद्धि, आत्मविश्वास में वृद्धि। नशे की लत और इलाज का खर्च बच जाता है। पैसिव स्मोकिंग से होने वाली बीमारियों का खतरा घर के सदस्यों और करीबी दोस्तों को कम होता है। हमारा परिवार सुखी और संतुष्ट रहता है और पर्यावरण और राष्ट्रीय संपदा की रक्षा होती है।

तंबाकू छोड़ने के उपाय

अपने परिवार, रिश्तेदारों या दोस्तों को तंबाकू छोड़ने की तारीख की घोषणा करें। ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको धूम्रपान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। तंबाकू खाने की इच्छा होने पर 1 से 100 तक गिनें, प्राणायाम वैगेरे करें। चना, मूंगफली, सौंफ आदि खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। तंबाकू सेवन से शरीर में मौजूद जहरीले रसायनों को बाहर निकालने के लिए खूब पानी पिएं।

जिला सामान्य अस्पताल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मरीजों की काउंसलिंग की। हर महीने के पहले, तीसरे और चौथे बुधवार को कैंसर कैंप लगाया जाता है। स्कूलों में जाकर छात्रों की दांतों की काउंसलिंग कर स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाया जाता है।

31 मई 2023 को तंबाकू विरोधी दिवस के अवसर पर, स्वास्थ्य विभाग ने केटीएस जनरल अस्पताल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जैसे तंबाकू विरोधी जागरूकता रैली, जागरूकता नुक्कड़ नाटक, रंगोली प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता। हालांकि जिला सर्जन डा. अमरीश मोहबे व जिला मुख स्वास्थ्य अधिकारी डा. अनिल आटे ने अपील की है कि जिले के नागरिक इसका लाभ उठाएं।

- जिला सूचना कार्यालय, गोंदिया

पत्रकार तायवाडे गोरेगांव विधानसभा से बीआरएस के होंगे उमीदवार

बुलंद गोंदिया। पिछले अनेक वर्षों से सामाजिक कार्यो में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पत्रकार राजेशकुमार तायवाड़े को आगामी विधानसभा चुनाव में तिरोड़ा गोरेगांव क्षेत्र से तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति से उम्मेदवारी मिलने की संभावना व्यक्त की का रही है। जानकारी मिली है कि तिरोडा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र से एकोडी ग्राम के राजेशकुमार तायवाड़े पत्रकार के सामाजिक कार्यो में बेबाक तरीके से जारी जनसमस्याओं के हित हेतु कार्यो को देख एवं युवाओँ और ग्रामीण स्तर पर उनकी पकड़ को देख उन्हें तेलांगना के मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस से संभावित उम्मेदवार के रूप में देखा जा रहा है। भारत राष्ट्र समिति पार्टी ने गोंदिया-भंडारा जिले में अपनी जड़ें फैलाना शुरू कर दी है। यही कारण है कि 2019 में विधानसभा का अपक्ष चुनाव लड़ चुके राजेशकुमार तायवाड़े पत्रकार को युवा आइकॉन एवं तड़फदार चेहरे के रूप में देखा जा रहा है। पत्रकार राजेशकुमार तायवाड़े ने अब तक अनेक जन समस्याओं को उठाकर उन्हें न्याय दिलाने का कार्य किया है वही, प्रशासन स्तर भी आगे बढ़कर मदद करने बड़ा संघर्ष किया है। तिरोडा विधानसभा क्षेत्र में उनके जारी कार्यो को लेकर ही उनके समर्थक, चाहनेवाले, राजेशकुमार तायवाड़े को जनप्रतिनिधि के रूप में देख रहे है। संभावना है कि उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में तेलांगना के मुख्यमंत्री चष्टक की पार्टी बीआरएस से उम्मेदवारी मिलने की संभावना है।

बिजली के खंभे से टकराया टिप्पर

तिरोड़ा-तिरोड़ा - तुमसर मार्ग पर ग्राम पांजरा के पास अनियंत्रित टिप्पर मार्ग के विद्युत पोल से टकरा गया। इसके बाद विद्युत तार टूटकर गिर गया। इसके अलावा टिप्पर ने ट्रैक्टर एवं ट्राली को भी टक्कर मार दी। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। केवल वाहन, महावितरण का विद्युत पोल एवं ट्रैक्टर का नुकसान हो गया। यह घटना 28 मई को घटित हुई। जानकारी के अनुसार तुमसर से आ रहा टिप्पर क्रमांक एमएच 35 एजे 7626 के चालक का पांजरा ग्राम के पास वाहन से नियंत्रण छूट गया और टिप्पर विद्युत पोल से जा टकराया। इस दौरान मार्ग पर खड़े ट्रैक्टर को भी उसने टक्कर मार दिया। ट्रैक्टर चालक शैलेष नेवारे के खिलाफ तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

संजय गांधी निराधार व श्रावणबाल पेंशन योजना के 1197 करोड. वितरित -सुमंत भांगे

मुंबई-संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजना एवं श्रावणबाळसेवा राज्य पेंशन योजना दोनों से हितग्राहियों को समय पर अनुदान सुनिश्चित करने के लिए संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजना के तहत 445 करोड़ रुपये एवं श्रावणबाळ सेवा राज्य पेंशन योजना के तहत 752 करोड़ रुपये सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग द्वारा कुल 1197 करोड़ रुपये का वितरण कर हितग्राहियों को तत्काल वितरित किया जाए, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के सचिव सुमंत भांगे ने सभी जिलों कलेक्टर को निर्देश दिए हैं। संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजनान्तर्गत 18 से 65 वर्ष से कम आयु के निराश्रित पुरूष एवं महिलायें, अनाथ, सभी श्रेणी के नि:शक्तजन, ऐसे पुरूष एवं महिलायें जो तपेदिक, कैंसर, एड्स, कुष्ठ रोग, निराश्रित रोगों के कारण अपना जीवन व्यतीत नहीं कर सकते विधवा, तलाक की कार्यवाही और तलाकशुदा लेकिन गैर-रखरखाव, उत्पीड़ित और वेश्यावृत्ति से मुक्त महिलाओं, तीसरे पक्ष, देवदासी, 35 वर्ष से अधिक की अविवाहित महिलाओं, जेल की सजा काट रहे कैदियों की पत्नियां, सिकल सेल पीड़ित सभी को लाभ मिलता है। इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे के परिवार की सूची में नाम होना या 21,000/- रुपये तक वार्षिक पारिवारिक आय होना आवश्यक है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 1000/- रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही श्रवणबल सेवा राज्य पेंशन योजना से 65 वर्ष एवं 65 वर्ष से अधिक आयु के पात्र हितग्राहियों, जिनका नाम गरीबी रेखा से नीचे के परिवार में है तथा जिनकी वार्षिक आय रू0 21,000/- से कम है, को रू. 1000/- की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। संजय गांधी निराश्रित अनुदान योजना एवं श्रवणबल सेवा राज्य पेंशन योजना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए योजना के हितग्राहियों को आगामी अवधि में तत्काल वित्तीय सहायता वितरित करने की योजना अपने स्तर पर बनायें सचिव सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के सचिव भांगे ने दिया है।

गाद मुक्त बांध एवं गाद युक्त शिवार अभियान

महाराष्ट्र राज्य देश में अधिक बांधों और जलाशयों वाला राज्य है और हर साल इन बांधों में जमा होने वाली गाद के कारण बांधों की भंडारण क्षमता काफी हद तक कम हो गई है। यदि इन बांधों में जमा हुई गाद को निकाल कर खेतों में फैला दिया जाए तो बांधों की मूल भंडारण क्षमता को बहाल करने के साथ-साथ कृषि आय में पर्याप्त वृद्धि होगी। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सरकार ने राज्य के बांधों से गाद निकालकर खेतों में उपयोग करने के लिए गाद मुक्त बांध ,गाद युक्त शिवार योजना लागू की है। इस साल अल नीनो की वजह से औसत से कम बारिश होने का अनुमान है। साथ ही, महाराष्ट्र के जलाशयों में अभी भी लगभग 44 करोड़ क्यूबिक मीटर गाद है। यह योजना पूरे राज्य में और विशेष रूप से सूखा प्रवण जिलों और विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र के आकांक्षी जिलों में लागू करने का प्रस्ताव है। साथ ही इससे पहले की इस योजना में सरकार की तरफ से सिर्फ फ्यूल कॉस्ट ही दिया जाता था। मशीन की लागत स्वयंसेवी संगठन द्वारा वहन की गई थी और कीचड़ के परिवहन और प्रसार की लागत स्वयं किसानों द्वारा वहन की गई थी। कीचड़ मुक्त बांध, गाद मुक्त शिविर योजना की महत्ता को देखते हुए इसे सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। इसलिए इस बार मशीनरी और फ्यूल दोनों का खर्च सरकार भरेगी। साथ ही छोटी और बहुत छोटी जोत वाले किसानों को भी सब्सिडी दी जाएगी ताकि वे इस योजना का पूरा लाभ उठा सकें।कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए समन्वय समितियों का गठन किया गया है। राज्य स्तर, जिला स्तर और तालुका स्तर की समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों के माध्यम से इन कार्यक्रमों का संचालन होगा। इस योजना के तहत किये जाने वाले कार्यों का जी.ओ. टैगिंग, योजना की जानकारी कंप्यूटर सिस्टम पर एकत्रित की जाएगी। निगरानी और मूल्यांकन इस योजना के तहत किए गए कार्यों का स्वतंत्र रूप से एक तृतीय पक्ष प्रणाली के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा। केवल सिल्ट की निकासी की अनुमति दी जाएगी और बालू खनन पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। बांध या झील के पास के क्षेत्र में जहां गाद जमा हो गई है वहां के किसान या गैर-सरकारी संगठन संबंधित व्यवस्था को सूचित करेंगे कि वे गाद को हटाने के लिए कदम उठाएंगे और अपने खर्च पर अपने खेतों तक ले जाएंगे। इसके लिए किसी अन्य अनुमति की आवश्यकता नहीं है। गाद उत्खनन करते समय किसान या गैर-सरकारी संस्था यह सुनिश्चित करे कि गाद के अतिरिक्त मिट्टी या बालू की खुदाई न हो। परिवहन किए गए कीचड़ का उपयोग संबंधित किसानों द्वारा अपने खेतों में किया जाना अनिवार्य है और इस तरह के गौण खनिज को बेचा या किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। सही मायनों में सिल्ट मुक्त बांध और सिल्ट मुक्त शिवार अभियान की यह पहल किसानों के लिए फायदेमंद होगी। यह गतिविधि निश्चित रूप से कृषि की बनावट में सुधार करने और किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी।

जिला सूचना कार्यालय, गोंदिया

नकली कीटनाशक निर्माताओं पर मामला दर्ज

बुलंद गोंदिया। जिले में बड़ी मात्रा में धान की फसल की खेती होती है। कीट और रोग प्रबंधन के उपाय करने के लिए किसान बड़ी मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग करते हैं। संदिग्ध क्लोरोफिरिफॉस 10 प्रतिशत जी.आर. व्यापार नाम फोराटोप्स के कीटनाशक का एक नमूना वाईबी बावनकर, जिला गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक द्वारा लिया गया था और परीक्षण के लिए कीटनाशक प्रयोगशाला में भेजा गया था, जिसके बाद सक्रिय संघटक 10 प्रतिशत जीआर था। अपेक्षा के अनुरूप शून्य प्रतिशत पाया गया। कीटनाशक बनाने वाली कंपनी रामश्री केमिकल्स मुंबई के पास राज्य का उत्पादन/बिक्री लाइसेंस नहीं था और वह भी बिना लाइसेंस के राज्य में कीटनाशक बेच रही थी। रामश्री केमिकल्स मुंबई और बालाजी कृषि केंद्र, सेलू जिला, वर्धा, अष्टविनायक एग्रो एजेंसी वर्धा, प्रथम कृषि केंद्र भिविखिडकी जिला अर्जुनी/मोरगाँव,

जिला गोंदिया के मालिक ईश्वर दास पर बिना लाइसेंस के नकली कीटनाशक बनाने और बेचने का आरोप लगाया गया था। चार आरोपियों ने फर्जी कीटनाशकों के भंडारण, बिक्री व बिक्री में मिलीभगत से किसानों व सरकार के साथ धोखाधड़ी करते हुए कीटनाशकों के आपसी निस्तारण पर रोक लगाने का आदेश दिया। कीटनाशी अधिनियम 1968 की धारा 420, 34, धारा 3,9,13,17,18,29 एवं कीटनाशी नियम 1971 नियम संख्या 9,16,17,18,19,30,31 नवेगांव बांध अर्जुनी/मोरगाँव थाना जिला के अनुसार। गोंदिया में प्राथमिकी संख्या 0044 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी हिंदूराव चव्हाण,जि.प.कृषि विकास अधिकारी एम.के.मडामे के मार्गदर्शन में जिला गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक यास्लाव बावनकर की शिकायत पर की गई. विस्तार अधिकारी डी.के. रामटेके, पीएस अर्जुनी/मोरगाँव ने उक्त कार्यवाही में सहायता की।

किसान बीज, खाद और कीटनाशक अधिकृत व लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही खरीदें और विक्रेताओं से पक्का बिल प्राप्त करें। बीज, उर्वरक और कीटनाशक अधिनियम का पालन नहीं करने वाले कृषि केंद्रों पर आपराधिक आरोप लगाए जाएंगे और उनके कृषि निवेश लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिए जाएंगे। ऐसी अपील जिला अधीक्षक कृषि पदाधिकारी हिंदूराव चव्हाण ने की है।

राशन दुकानों से पोषक चांवल का वितरण

बुलंद गोंदिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, अंत्योदय खाद्य योजना एवं अधिमान्य परिवार योजना के तहत लक्षित जन वितरण प्रणाली के माध्यम से अंत्योदय खाद्य योजना एवं अधिमान्य परिवार योजना के हितग्राही राज्य के किसानों से गारंटीकृत मूल्य पर धान खरीद कर सीएमआर का वितरण कर रहे हैं। उक्त धान खेप के तहत प्राप्त हुआ। अब उक्त सीएमआर में अप्रैल 2023 से मार्च तक फोर्टिफाइड चावल के अनुपात में 1 एफआरके= 100 सीएमआर अनाज को मिलाकर एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) अनाज जिसमें विटामिन बी-12, फोलिक एसिड और आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं, को मिलाकर तैयार किया जाता है। केंद्र सरकार ने 2024 की अवधि में सभी जिलों में वितरण की स्वीकृति दे दी है। मिशन पोषण 2.0 भारत को कुपोषण मुक्त बनाने तथा मिशन पोषण 2.0 को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार ने चावल फोर्टीफिकेशन एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केन्द्र प्रायोजित योजना शुरू की है। भारत सरकार ने मिशन पोषण 2.0 के तहत कुपोषण को रोकने के लिए एक कदम उठाया है। खाद्य सुरक्षा के उद्देश्य से अंत्योदय अन्न योजना एवं अधिमान्य परिवार योजना के हितग्राहियों को विटामिन बी-12, फोलिक एसिड एवं आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों से युक्त चावल का वितरण किया जायेगा। फोर्टिफाइड चावल आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। फोर्टिफाइड चावल में आयरन होने के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाकर एनीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। फोर्टिफाइड चावल में फोलिक एसिड की उपस्थिति के कारण गर्भवती माताओं के भ्रूण के समुचित विकास के लिए विटामिन बी-12 रक्त निर्माण के लिए शारीरिक शक्ति को बढ़ाता है, इसलिए फोर्टिफाइड चावल का उपयोग हर दिन किया जाना चाहिए और ऐसे चावल की आपूर्ति की जाएगी। सस्ते अनाज भंडार के माध्यम से। इसलिए ये चावल प्लास्टिक के नहीं बल्कि विटामिन और आयरन से भरपूर होते हैं। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे एवं जिला पूर्ति अधिकारी प्रकाश पाटिल ने अपील की है कि सभी हितग्राही भोजन में इसका प्रयोग करें।

ट्रेन मे चैन पुलिंग करनवाले 65 लोगों पर रेसुब की कार्रवाई

गोंदिया -अगर आप भी इस प्रकार की गलती करने की सोचते हैं, तो जरा सावधान रहें. रेल अधिनियम 1989 की धारा 141 के तहत बिना उचित कारण ट्रेन के अलार्म चैन खींचने पर 1 हजार रू. का जुरमाना या एक साल तक की जेल हो सकती है. गोंदिया स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों में चैन पुलिंग के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ ने कमर कस ली है. वर्ष 2023 में अब तक रेल अधिनियम 1989 की धारा 141 के तहत बिना उचित कारण ट्रेन के अलार्म चैन को खींचने पर 65 लोगों के विरूद्ध मामले दर्ज़ किए गए हैं. आरपीएफ द्वारा सभी यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि बिना किसी उचित कारण से चैन पुलिंग न करें अन्यथा उनके विरूद्ध रेल अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी.

शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर केरियर बनाएं युवा : विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोदिया-विद्यार्थी अथक प्रयास कर अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम को चुनकर उसमें प्रावीण्य हासिल करने का प्रयास करें। उद्योजक बनने के लिए युवा अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। यह आह्वान विधायक विनोद अग्रवाल ने किया। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गोंदिया में आयोजित छत्रपति शाहू महाराज युवा शक्ति करियर मार्गदर्शन शिविर के उद्घाटक के रूप में वे बोल रहे थे।

कौशल्य, रोजगार, उद्योजकता व नावीण्यता विभाग अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गोंदिया में जिलास्तरीय राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज युवा शक्ति करियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, सहायक आयुक्त समाज कल्याण विनोद मोहतुरे, सहायक आयुक्त कौशल विकास राजू माटे, समुपदेशक मिलिंद रंगारी, आशीष तायवाडे, प्राचार्य हेमंत आवारे व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सत्येंद्र कुमार प्रमुखता से उपस्थित थे। जिला पुलिस अधीक्षक पिंगले ने जिले के युवाओं को नौकरी मांगनेवाले न बनते हुए नौकरी देनेवाले उद्योजक बनने के लिए एक सफल युवा उद्योजक का उदाहरण दिया । अध्यक्षता कौशल विकास विभाग के सहायक आयुक्त राजू माटे ने की। समुपदेशक मिलिंद रंगारी ने व्यक्तित्व के अनुसार करियर का चयन कैसे करें, इस पर मार्गदर्शन किया। आशीष तायवाडे ने कक्षा 10वीं व 12वीं के बाद कौनसे पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं, इस पर विस्तृत मार्गदर्शन किया।

डा. प्रशांत शर्मा ने शासकीय तंत्रनिकेतन गोंदिया के विविध पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस समय कुणाल गोडचवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के प्राचार्य हेमंत आवारे ने आधुनिक तकनीक पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारियां विद्यार्थियों को दी। इस समय विविध शासकीय विभागों की योजनाओं के स्टॉल लगाए गए थे। संचालन गुट निदेशक ए.वी. केने ने किया। सफलतार्थ गुट निदेशक प्रेम कटरे, एस.एम. बारमासे ने अथक प्रयास किया। आभार प्रदर्शन शिल्पनिदेशक जी.के. पटले ने किया।

बाघिन पांगड़ी परिसर में पर्यटकों का आवागमन पर रोक

गोंदिया-गोरेगांव वन विभाग में इन दिनों उस बाघिन को लेकर दहशत और बढ़ गई है यहां गोंधेखारी वन परिसर से बाहर निकल कर बाघिन अब पांगडी धानुटोला क्षेत्र में पहुंच गई है जिसमें धानुटोला मंदिर परिसर पांगडी तालाब व वन विभाग नर्सरी जैसे पर्यटन स्थलों पर रोक लगा दी गई है यहां आने वाले सभी मार्ग बंद कर दिए गए हैं सुरक्षा के मद्देनजर वनकर्मीयो को जगह-जगह तैनात कर दिया गया है क्षेत्र पूरी तरह छावनी में तब्दील हो गया है यहां नागरिकों को सतर्कता बदलने बरतने की अपील वन विभाग द्वारा की जा रही है। गौरतलब है कि नागजीरा अभ्यारण नवेगांव जंगल क्षेत्र में 20 मई को राज्य के वनमंत्री सुधीर मुनगंटीवार की उपस्थिति में दो बाघिनों को छोड़ा गया था जिसमें से एक बाघिन गोरेगांव वन क्षेत्र में भटक रही है तहसील के गोंधेखारी सोनेगांव शहारवानी पांगडी धानुटोला जैसे जंगल से लगे गांवों में नागरिक भयभीत हैं यहां गोरेगांव/गोंदिया वन विभाग द्वारा 27 मई से ही बाघिन को नागजीरा प्रकल्प में लाने के हर प्रयास किए जा रहे हैं यहां बाघिन ताजा लोकेशन पांगडी धानुटोला परिसर बताया जा रहा है जिसमें गोरेगांव वन विभाग समेत नागजीरा नवेगांव गोंदिया वन विभाग की पूरी टीम पांगडी वन परिसर में जुटी हुई है उल्लेखनीय है कि पांगडी धानुटोला क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों पर्यटकों का आवागमन लगा रहता है ऐसे में दिनांक 30 मई को क्षेत्र में पर्यटकों के आवागमन पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी गई है साथ ही आने वाले सभी मार्गों को बंद कर दिया गया है वन विभाग द्वारा इस जंगल परिसर से लगे सभी गांवों को सतर्क कर दिया गया है क्षेत्र में बाघिन की हलचल नजर आने पर वन विभाग को जानकारी देने की अपील वन विभाग द्वारा की गई है।

सेंधमारी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया-सेंधमारी करने वाले चार आरोपियों को शहर अपराध शाखा ने सामग्री के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी में ढाकनी निवासी महेश उर्फ मंगेश नंदलाल राऊत (22), जयंत उर्फ बंटी पृथ्वीराज मेश्राम (26), कुणाल भाऊलाल क्षीरसागर (19) व दिगंबर उर्फ ऋतिक किशोर पालांदुरकर (21) का समावेश है. ढाकणी के जिला परिषद विद्यालय से टीवी चोरी हुई थी. जसकी शिकायत चंद्रशेखर वार्ड निवासी फिर्यादी कन्हैयालाल श्रीराम होरे ने शहर पुलिस थाने में की थी. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने अज्ञात चोर का पता लगाने और अपराधों का तुरंत खुलासा कने के निर्देश दिए थे. शहर थाने के पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सुर्यवंशी के मार्गदर्शन अपराध शाखा दल को मिल जानकारी के अनुसार आरोपी महेश उर्फ मंगेश नंदलाल राऊत, जयंत उर्फ बंटी पृथ्वीराज मेश्राम, कुणाल भाऊलाल क्षीरसागर व दिगंबर उर्फ ऋतिक किशोर पालांदुरकर को गिरफ्तार किया गया. उनसे पूछताछ की गई तो चारों आरोपियों ने अपराध कबूल किया. दूसरी चोरी घाट रोड दसखोली निवासी फिर्यादी विजय सुनील करियार के निवास में हुई थी. जिसमें आरोपी ने 8 हजार रु. नगद चोरी किए थे. इस मामले में आरोपी दसखोली निवासी मनीष मन्नू कुलदीप (24) को गिरफ्तार किया गया है.

गांजा सप्लायर को किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया -आमगांव से सालेकसा मार्ग पर कुछ दिन पहले एक गांजा तस्कर को पकड़ा गया था. उसे गांजा को सप्लाय करता है, इसता पता लगाते हुए पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे ने मध्य प्रदेश के गांजा सप्लायर भूवनलाल केसरीराम कालबेले (55) को बालाघाट जिले के कुंभारी कला से गिरफ्तार किया है. नशा विरोधी अभियान चलाते हुए पानगांव, आमगांव से सालेकसा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थानीय अपराध शाखा ने जाल बिछा कर 50 हजार रु. का गांजा जब्त किया गया था. इस मामले में सालेकसा के खोडगड निवासी आरोपी चंद्रभान जियालाल नागपुरे (26) को गिरफ्तार किया गया था व आरोपी के खिलाफ सालेकसा पुलिस थाने मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विजय भिसे ने सालेकसा को अपराध की जांच करने और आरोपी से गांजा की आपूर्ति करने के निर्देश दिए थे. वरिष्ठों के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे ने आरोपी भुवनलाल केसरीमल कालबेले को बालाघाट (मध्यप्रदेश) जिले के कुंभरी कला से गिरफ्तार किया है. उसके घर से 2 किलो 666 ग्राम गांजा जब्त किया गया है, जिसकी कीमत 58 हजार 652 रु. बताई जा रही है. गांजा सप्लाई करने वाले आरोपी से पूछताछ की जा रही हैं. उक्त कार्रवाई स्थानीय गुन्हा शाखा के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में हवालदार ठाकरे, गायधने, पटले, सिपाही भांडारकर, सालेकसा थाने के पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे, पुलिस उपनिरीक्षक गणेश शिंदे, पुलिस नायक इंगले, पगारवार, गौतम वेदक, महिला सिपाही अंबाडारे ने की है.

14 माह से बिना वेतन के एंबुलेंस चालक

बुलंद गोंदिया-जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में चल रही एंबुलेंसों के लिए चालकों को मानधन के आधार पर नियुक्त किया गया है. लेकिन 14 माह से चालकों के वेतन का भुगतान स्वास्थ्य प्रशासन द्वारा किया नहीं गया है. जिससे कई चालकों के परिवारों के सामने संकट खड़ा हो गया है. इससे वाहन चालक भविष्य में एंबुलेंस के पहिए ठप करने की स्थिति में नजर आ रहे हैं. एंबुलेंस को स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ के रूप में देखा जाता है. गोंदिया जिले में लगभग 65 एंबुलेंस चालक मानधन के आधार पर एनएचएम के तहत सेवा दे रहे हैं. लेकिन पिछले 14 माह से एंबुलेंस चालकों के वेतन का भुगतान नहीं किया गया है. एंबुलेंस चालकों ने दिवाली, होली समेत कई महत्वपूर्ण त्योहार बिना वेतन के गुजारे है. पिछले 14 माह से मानधन का भुगतान नहीं होने से चालकों के परिवार संकट आ पड़ा है. इतना ही नहीं उनके परिवारों को अब दुकानदार उधारी में आवश्यक सामग्री देने से भी इंकार करने लगे हैं. जिससे एंबुलेंस चालक भविष्य में एंबुलेंस के पहिए थमने की स्थिति में नजर आ रहे हैं.

प्रधानमंत्री कुसुम-बी योजना अंतर्गत किसानों को सब्सिडी पर सोलर पंप उपलब्ध

सौर उर्जा के माध्यम से कृषिपंप बिजली कनेक शनों का विद्युतीकरण जिले के 94 किसानों किया आवेदन

बुलंद गोंदिया। राज्य सरकार ने समय-समय पर अपरंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहन नीतियों की घोषणा की है। इसके अनुसार राज्य सरकार सौर ऊर्जा के माध्यम से किसानों के कृषि पंप बिजली कनेक्शनों के विद्युतीकरण के लिए विभिन्न स्व-वित्तपोषित और केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू कर रही है। इसके तहत महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में लागू किए जा रहे प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) को गति देने का फैसला किया है। योजना के तहत ओपन कैटेगरी के किसानों को 90 प्रतिशत सब्सिडी पर सोलर कृषि पंप और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को 95 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। गोंदिया जिले के 94 किसानों ने इस योजना में आवेदन किया है। अन्य किसानों से इस योजना का लाभ लेने का आग्रह किया है।

एमएनआरई ने पीएम-कुसुम योजना के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और कुल दो लाख सौर कृषि पंपों के लिए 13 जनवरी, 2021 को एक लाख सौर कृषि पंप और 30 अगस्त, 2022 को एक और एक लाख सौर कृषि पंप लगाने की मंजूरी दी है। 12 मई 2021 को राज्य सरकार ने राज्य में उक्त योजना के लिए शासनादेश जारी किया। इसके तहत अगले 5 साल में 5 लाख सोलर फार्म पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया है यानी प्रति वर्ष एक लाख। योजनान्तर्गत खुली श्रेणी के कृषकों को 90 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कृषकों को 95 प्रतिशत उपदान पर सौर कृषि पम्प उपलब्ध हैं। पंप की लागत इस प्रकार है- पंप क्षमता 3 एचपी पंप लागत 1 लाख 93 हजार 803 रुपये, हितग्राही अंश सामान्य (10 प्रतिशत) वर्ग 19 हजार 380 रुपये, अनुसूचित जाति (5 प्रतिशत) 9 हजार 690 रुपये एवं अनुसूचित जाति जनजाति (5 प्रतिशत) 9 हजार 690 रुपये, पंप क्षमता 5 एचपी पंप लागत 2 लाख 69 हजार 764 रुपये, लाभार्थी

हिस्सा सामान्य (10 प्रतिशत) वर्ग 29 हजार 975 रुपये, अनुसूचित जाति (5 प्रतिशत) 13 हजार 488 एवं अनुसूचित जाति जनजाति (5 प्रतिशत) 13 हजार 488, पंप क्षमता 7.5 एचपी पंप की लागत 3 लाख 74 हजार 440 रुपये, सामान्य (10 प्रतिशत) वर्ग को हितग्राही अंश 37 हजार 440 रुपये, अनुसूचित जाति (5 प्रतिशत) को 18 हजार रुपये है. 720 और अनुसूचित जनजाति (5 प्रतिशत) 18 हजार 720 रुपये है।

आवेदन कैसे करें :- पीएम-कुसुम योजना के सरकारी निर्णय में वर्णित सौर कृषि पंपों की स्थापना का उद्देश्य जिले की ग्रामीण आबादी के अनुसार और पहले आओ पहले प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना है। किसानों के नवीन आवेदनों को महाऊर्जा के माध्यम से स्वीकार करने के लिए 17 मई 2023 से कुसुम योजना का ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ किया गया है। महाऊर्जा के माध्यम से ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च करने के बाद, इसे भारी प्रतिक्रिया मिली है और प्रक्रिया में देरी हो रही है क्योंकि कई किसान एक ही समय में आवेदन करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि पोर्टल की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और जिलेवार कोटा बढ़ाया जा रहा है ताकि सभी किसानों को योजना का लाभ मिल सके। यदि कोटा उपलब्ध नहीं है, तो किसानों को प्रतीक्षा करनी चाहिए और कोटा उपलब्ध होने पर आवेदन करना चाहिए। ऑनलाइन आवेदन महाऊर्जा की निम्न वेबसाइट पर जाकर करना होगा। https://kusum.mahaurja.com/solar/beneficiary/register/Kusum-Yojana-Component-B योजना की सभी जानकारी और ऑनलाइन आवेदन महाऊर्जा की वेबसाइट www.mahaurja.com पर उपलब्ध है।

किसान महाऊर्जा की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करें और किसी अन्य फर्जी या फर्जी वेबसाइट का उपयोग न करें। ऑनलाइन पोर्टल के शुभारंभ के बाद से, राज्य में कुल 23,584 आवेदन प्राप्त हुए हैं और गोंदिया जिले के 94 किसानों ने पंजीकरण कराया है। सभी किसान महाऊर्जा द्वारा शुरू किये गये ऑनलाइन पोर्टल का लाभ उठायें। साथ ही ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करते समय आने वाली कठिनाइयों के लिए दूरभाष संख्या 020-35000456 या 020-35000457 पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह अपील महानिदेशक (महाराजा) रवींद्र जगताप ने की है।

कल्पतरु स्विमिंग प्रतियोगिता आयोजित

बुलंद गोंदिया। कल्पतरु हेल्थ क्लब नागरा द्वारा स्विमिंग स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निखिल पिंगले पुलिस अधीक्षक, डॉक्टर दीपक बाहेकर द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर जलतरन स्पर्धा की शुरुआत की गई। जलतरण स्पर्धा मे 50 मीटर फ्री स्टाइल स्विमिंग, अंडर वाटर, ब्रेस्ट स्ट्रोक स्विमिंग मे 15 वर्ष की आयु वर्ग मे मयूर लेकचन्द धामड़े वैभव शिव नागपुरे हर्ष छीतरका प्रभव इसरका श्रेयांश मोहरकर ने क्रमश: प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 17 से 22 वर्ष के आयु वर्ग मे ध्रुव शिव नागपुरे, साक्षी रायली क्रमश: प्रथम द्वितीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग 15 वर्ष आयु मे लावण्या राजेश सहारे, काव्या राठौड़, तनवी सहारे , पुष्टि तन्ना , विधि अग्रवाल, माही लेकरिया, नव्या अग्रवाल, सुहानी पारधी, खुशी अग्रवाल ने क्रमांक हासिल किया। 5 वर्ष आयु वर्ग मे अयान वडेरा प्रथम मन्नत अग्रवाल द्वितीय स्थान पर रहे, विभिन्न प्रकार की स्विमिंग स्पर्धा मे पार्थ अहेरकर प्रियांश राणा शीर्ष मोहरकर प्रथम राणा, नमन चामट, तनिष संदीप जैन ओम अग्रवाल श्लोक अग्रवाल सभी ने क्रमांक हासिल किया। सभी ने अपनी सफलता का श्रेय प्रशिक्षक शिव नागपुरे एवं अपने माता पिता को दिया। पुरस्कार वितरण समारोह मे मुख्य अतिथि पुरुषोत्तम अहेरकर पुलिस उप अधीक्षक एंटी करप्शन ब्यूरो, डॉक्टर अलका बाहेकर, डॉक्टर प्रितपाल बग्गा, डॉक्टर चंद्रशेखर राणा, डॉक्टर नरेश मोहरकर ,पुष्पक जस्सानी, शंकरलाल अग्रवाल मोना टायर्स, मुन्नालाल यादव, हिम्मत भाई राठौड़ डॉक्टर पूनम पारधी आकाश छीतरका , सुधीर नायर सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। स्विमिंग स्पर्धा आयोजन के लिए विशेष सहयोग डॉक्टर अनुराग बाहेकर, आकाश छीतरका , मुस्कान ईसरका, क्षितिज तिवारी,रिंकू जुनेजा,पियूष अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मनीष टेकरीवाल, शिव नागपुरे ने किया। कल्पतरु सहयोगियों द्वारा बच्चों को पुरस्कार स्वरूप 1ग्राम सोने के सिक्के, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया , इस अवसर पर मुख्य अतिथियो ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्विमिंग के साथ कोई भी खेल को जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया साथ ही सभी प्रतिभागियों के खेलपूर्ण स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना की। जज के रूप दीपक छुरा , तथा सहयोग लेकचंद धामड़े ने किया ,स्पर्धा का संचालन व आभार प्रदर्शन कल्पतरु स्विमिंग के प्रशिक्षक शिव नागपुरे ने किया

अविष्कारशील क्षमता, ग्रामीण ऊर्जा व्याख्यान का 15 वां सत्र आयोजित

बुलंद गोंदिया। भर्ती के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के माध्यम से विज्ञापन प्रकाशित किये जाते हैं। गोंदिया जिला नक्सल प्रभावित और आदिवासी क्षेत्र में आता है, जिले के छात्रों को विभिन्न विभागों के भर्ती विज्ञापन के बारे में व्यापक जानकारी नहीं होती है, इसके लिए छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में सूचित किया जाता है कि पदों के अनुसार परीक्षा की तैयारी कैसे करें विभिन्न विभागों, विशेषज्ञ वक्ताओं के माध्यम से आवश्यक मामलों के बारे में मार्गदर्शन और छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए जिला प्रशासन की अवधारणा से, एक अभिनव पहल अनुसंधान क्षमता, ग्रामीण ऊर्जा प्रतियोगी परीक्षा व्याख्यान श्रृंखला वर्ष 2018-19 से शुरू की गई है।

इस व्याख्यानमाला के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को विशेषज्ञ वक्ताओं एवं अधिकारियों के माध्यम से मार्गदर्शन किया जाता है। तदनुसार उक्त व्याख्यानमाला के 15वें सत्र का आयोजन डॉ. यह बाबासाहेब अम्बेडकर सामाजिक न्याय भवन, गोंदिया में आयोजित किया गया था। उक्त व्याख्यानमाला के मुख्य मार्गदर्शक रूपेश कुमार राउत, जिला सांख्यिकी अधिकारी थे। इस अवसर पर मार्गदर्शक वक्ता जिला सांख्यिकी अधिकारी रूपेश कुमार राउत ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय छात्र अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचान कर उसके अनुसार अध्ययन करें और संबंधित परीक्षा पाठ्यक्रम, प्रश्नों के प्रारूप, आवश्यक का भी अवलोकन और अध्ययन करें. दैनिक समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और करेंट अफेयर्स से संबंधित परीक्षा अभ्यास पत्रों के उपयोग के संबंध में बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभाग के विभिन्न पदों पर भर्ती के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। रुपेश कुमार राउत, जिला सांख्यिकी अधिकारी ने जिला सांख्यिकी अधिकारी द्वारा प्रकाशित पुस्तक राज्यसेवा पूर्व परीक्षा वन स्टॉप सॉल्यूशंस जनरल स्टडी पार्ट-2 (पर्यावरण और पारिस्थितिकी, राजनीति और शासन और भारतीय अर्थव्यवस्था) का अवलोकन किया। बड़ी संख्या में जिले के छात्र उक्त व्याख्यान में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत विनोद मोहतुरे, सहायक आयुक्त, समाज कल्याण ने की। व्याख्यानमाला का संचालन समाज कल्याण निरीक्षक श्रीमती स्वाति कापसे ने किया और धन्यवाद ज्ञापन लक्ष्मण खेड़कर ने किया। उक्त मार्गदर्शन सत्र की सफलता के लिए लक्ष्मण खेडकर, सुश्री ज्योति फंडे, अमित रंगारी एवं क्रिस्टल कंपनी के कर्मचारियों ने विशेष सहयोग प्रदान किया। जिला प्रशासन द्वारा जिले में अधिक से अधिक संख्या में छात्र-छात्राओं से आगामी सत्र में व्याख्यानमाला का लाभ लेने की अपील की जा रही है।

जलजीवन मिशन हर घर नल में जल के साथ जल के महत्व को समझाया

कामठा ग्रा.पं. में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन संपन्न

बुलंद गोंदिया। संवाददाता कामठा - महाराष्ट्र ग्राम दर्पण का जल जीवन मिशन ग्राम पंचायत स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण स्तर-3 के अंतर्गत ग्राम कामठा के ग्राम पंचायत कार्यालय मे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24 मई 2023 से 25 मई 2023 तक किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र ग्राम दर्पण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुबोध देशमुख,प्रवीन प्रशिक्षक महेंद्र मेश्राम,महेश पटेले,पवन पटले,करूणा मेश्राम, कामठा ग्राम पंचायत संरपच रेखा सतीश जगने, उपसंरपच सावलराम महारवाडे , ग्राम खातिया के संरपच ललीत अर्जुन तावाडे, उपसंरपच प्रकाश गिरेपुंजे, ,अनीता बहेकार, केसरबाई बागडे, ग्राम सेवक रेवतकर, ग्राम झिलमिली के सरपंच ओमकार बहेकार,पांजरा सरपंच भुमेश्वरी नागपुरे,गर्रा ग्राम के संरपच कुलदीप पटेले, आदि ग्राम के सरपंच, उपसंपच, ग्राम पंचायत सदस्य, आंगनवाडी सेवीका,आशा वर्कर,आयसीआरपी,बचतगट महिला अध्यक्ष, ग्राम सेवक आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अवसर पर दो दिवसीय आनिवासी प्रशिक्षण स्तर-3 के अंतर्गत प्रशीक्षक महेंद्र मेश्राम ने , 卐हर घर नल नल मे जल卐 इसके महत्व को समझाते हुए मार्गदर्शन किया इसमे सभी प्रशिक्षको के माध्यम से जल जीवन मिशन के बारे महत्वपूर्ण जानकारियां देकर जल के हो रहे दुरपयोग को रोककर उसका सदुपयोग करना चाहिए इस प्रकार की विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को दो दिवसीय आनिवासी प्रशिक्षण स्तर-3 के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र ग्राम दर्पण सुबोध देशमुख, प्रशिक्षक महेंद्र मेश्राम,महेशकुमार पटले,पवनकुमार पातोडे,करूणा मेश्राम आदि प्रयासरत थे।

32 हज यात्रियों का हज पूर्व प्रशिक्षण, वेक्सीनेशन और हेल्थ चेकअप का लाभ

बुलंद गोंदिया। इस साल हज यात्रा- 2023 (1444 हिजरी) के सफर के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से 32 जायरीन गोंदिया जिले से हज यात्रा पर जा रहे है। हर साल इन हज यात्रियों को हज पर जाने के पूर्व हज सफर का प्रशिक्षण, उनका टिकाकरण, स्वास्थ्य जांच व सत्कार की जिम्मेदारी हाजियों की खिदमतगार, गोंदिया ख़ादिमुल हुज्जाज कमेटी पूरी करती है। इस वर्ष भी गोंदिया ख़ादिमुल हुज्जाज कमेटी द्वारा हज जायरीनों के लिए गोंदिया के आज़ाद लाइब्रेरी के मुस्लिम हॉल में 25 मई को प्रोग्राम का आयोजन किया गया था, जहां 32 हज यात्रियों ने हज पूर्व प्रशिक्षण, हेल्थ चेकअप, मेनिनजाइटिस, सीजनल इन्फ्लूएंजा वैक्सीन और पोलियों डोज का लाभ उठाया। हज यात्रियों को हज पूर्व प्रशिक्षण देने मुख्य प्रशिक्षक (हज ट्रेनर) हाफिज इमरान अली,भंडारा, हाजी मोहम्मद शब्बीर शेख,भंडारा, हाजी मौलाना अब्दुल सत्तार खान, हाजी मौलाना अखलाक उर्र रहमान ने विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण देकर हज सफर को आसान बनाने का तरीका समझाया। इसके लिए बतौर प्रोजेक्टर भी लगाया गया। हज यात्रियों के वेक्सीनेशन हेतु जिला शासकीय सामान्य अस्पताल के जिला शल्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमरीश मोहबे के मार्गदर्शन में निवासी वैधकीय अधिकारी डॉ. बी.डी. जायसवाल की देखरेख में स्वास्थ्य टीम के डॉ. राणा खान, डॉ. मनीष दमाहे, वैक्सीन को-कॉर्डिनेटर मनीष मदने, स्वास्थ्य सेविका आस्मा व अन्य टीम ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। हज यात्रियों का सत्कार व मुबारक़बाद गोंदिया ख़ादिमुल हुज्जाज कमेटी के अध्यक्ष हाजी अब्दुल जब्बार खान जीलानी, सचिव हाजी प्रोफेसर जफर खान, सह सचिव जावेद खान (पत्रकार), कोषाध्यक्ष हुसैन शेख, प्रोफेसर सफीउल्ला खान, अनवर खान, तालिब बेग , शकील मंसूरी, इमरान शेख , सादिक शेख, गुड्डू हुसैनी, यूनुस पटेल, अय्यूब शेख, शकील जाजम, अब्दुल कादर खान जीलानी,सज्जू तिगाला,सादाब शेख, रिजवाना बाजी, अफजल शेख, अदीब खान आदि ने किया।

बकाया कर्जदारो द्वारा एक मुश्त कर्ज का भुगतान करने पर ब्याज पर 50 प्रतिशत की छूट

बुलंद गोंदिया

महाराष्ट्र राज्य ने अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से गोंदिया ने उन लाभार्थियों को ब्याज की राशि में 50 प्रतिशत की छूट योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जो ऋण मुक्त होने के लिए बकाया हैं. इसके लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) निगम के अतिदेय कर्जदारों द्वारा संपूर्ण ऋण एकमुश्त चुकाने पर हितग्राहियों को बकाया ब्याज राशि में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की जिला प्रबंधक विशाखा फडणवीस ने अपील की है कि जिले में अधिक से अधिक कर्जदार इस योजना का लाभ उठाएं और कर्ज मुक्त हों।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।